ब्रीफ न्यूज़

पत्रकार सोनू श्रीवास्तव सम्मानित

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम में 'प्रांरभ उत्तर दर्शन' का 55वां वार्षिक समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें हिंदी भाषी समाज के अनेक गणमान्य लोग और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। इस अवसर पर पत्रकार सोनू श्रीवास्तव को प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान आयोजक व भाजपा नेता अखिलेश सिंह के पिता वीरेंद्र बहादुर सिंह की स्मृति में प्रदान किया जाता है। सोनू श्रीवास्तव डेक्कन क्रॉनिकल ग्रुप के अंग्रेजी अख़बार द एशियन एज से जुड़े हुए हैं और पिछले 14 वर्षों से महाराष्ट्र की राजनीति, प्रशासन और राज्य स्तरीय नीतियों की सक्रिय कवरेज कर रहे हैं।

करोड़ों के सड़क प्रोजेक्ट पर पुणे मनपा में घमासान, विपक्ष ने उठाए वित्तीय सवाल

पुणे। पुणे महानगर पालिका (PMC) की स्थायी समिति की बैठक इन दिनों तीखे विवाद और हंगामे के बीच घिरी हुई है। करीब 2000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी देने के प्रस्ताव पर विपक्ष ने प्रशासन को घेरते हुए मनपा की आर्थिक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्षी नगरसेवकों का कहना है कि जब मनपा पहले से ही फंड की कमी से जूझ रही है, तो इतनी बड़ी राशि के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देना उचित नहीं है। खासकर चांदणी चौक से भूगांव रोड के निर्माण को लेकर विवाद तेज हो गया है, जिसका बजट ही हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच रहा है। कांग्रेस नेता प्रशांत जगताप ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि बिना पर्याप्त वित्तीय योजना के ऐसे प्रस्ताव पास करना गलत परंपरा की शुरुआत होगी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि नियमानुसार किसी भी बड़े प्रोजेक्ट के लिए कम से कम 50% राशि की स्वीकृति जरूरी होती है, जिसकी अनदेखी की जा रही है। विपक्ष ने '72-ब' और '67-क' नियमों के तहत पिछले छह महीनों में मंजूर किए गए सभी प्रस्तावों का विस्तृत विवरण मांगा है। नगरसेवकों का आरोप है कि प्रशासन बिना स्पष्ट फंडिंग प्लान के सिर्फ घोषणाएं कर रहा है और 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था कैसे होगी, इसका जवाब नहीं दे पा रहा है। इस बीच स्थायी समिति के अध्यक्ष श्रीनाथ भिमाले ने भी स्थिति को गंभीर मानते हुए अतिरिक्त आयुक्त पवनीत कौर से सभी प्रस्तावों का विस्तृत ब्योरा मांगा है।

कर्जमाफी पर किसानों को और इंतजार सरकार बोली- प्रक्रिया अंतिम चरण में

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र में किसानों के लिए घोषित 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमाफी योजना' के लागू होने में अभी और समय लगेगा। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने स्पष्ट किया कि प्रक्रिया जारी है और पात्र किसानों को जल्द लाभ दिया जाएगा, लेकिन नियम तय होने में थोड़ी देरी हो रही है।

मानदंड तय करने में लग रहा समय

मंत्री ने बताया कि 30 सितंबर 2025 तक के 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण को माफ करने का फैसला किया गया है। योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रवीण परदेशी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है, जो कर्जमाफी के मानदंडों और दिशा-निर्देशों पर काम कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

अतिक्रमण पर भी बड़ा फैसला

राजस्व मंत्री ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर भी अहम घोषणा की। 2011 से पहले बने 1500 वर्ग फुट तक के मकानों को नियमित किया जाएगा, जिससे करीब 15 लाख लोगों को मालिकाना हक मिलेगा। इन संपत्तियों की रजिस्ट्री मात्र 1000 रुपये में की जाएगी, जबकि इससे बड़े अतिक्रमण हटाए जाएंगे।भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए सरकार ने 57 नए मध्यस्थ नियुक्त किए हैं, जो तीन महीने में करीब 28 हजार लंबित मामलों का निपटारा करेंगे। साथ ही मंत्री ने लॉकडाउन और ईंधन संकट की खबरों को अफवाह बताते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

इन किसानों को नहीं मिलेगा लाभ

सरकार ने साफ किया है कि योजना का लाभ केवल जरूरतमंद और छोटे किसानों को मिलेगा। जिन किसानों के पास गाड़ी, बंगला या फार्म हाउस जैसी संपत्ति है, उन्हें कर्जमाफी के दायरे से बाहर रखा जाएगा।सरकार के अनुसार, इस योजना से राज्य के करीब 28 से 30 लाख किसानों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 35,000 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ राज्य सरकार पर आएगा।

अब हर जिले में निजी सर्वेक्षक, महाराष्ट्र में तेज होगी जमीन माप प्रक्रिया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में जमीन की पैमाइश अब पहले से ज्यादा तेज और पारदर्शी होने जा रही है। राज्य सरकार ने हर जिले में लाइसेंसधारी निजी सर्वेक्षकों और एजेंसियों की नियुक्ति का फैसला लिया है, जिससे लंबित मामलों का तेजी से निपटारा हो सकेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस योजना को मंजूरी दी। अब तक जमीन माप का काम भूमि अभिलेख विभाग के जिम्मे था, लेकिन सीमित स्टाफ और बढ़ते आवेदनों के कारण हजारों प्रकरण लंबित थे। नई व्यवस्था में तकनीकी रूप से सक्षम निजी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा, जिससे सरकारी तंत्र पर दबाव कम होगा और लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

योग्यता और प्रशिक्षण तय

सर्वेक्षक बनने के लिए आईटीआई (सर्वेइंग), सिविल इंजीनियरिंग या जियो-इंफॉर्मेटिक्स में डिग्री/डिप्लोमा जरूरी होगा। अनुभवी सेवानिवृत्त सर्वेक्षक भी 65 वर्ष तक इस काम में शामिल हो सकेंगे। चयनित उम्मीदवारों को विशेष प्रशिक्षण के बाद लाइसेंस जारी किया जाएगा।

भ्रष्टाचार पर सख्ती, विकास को मिलेगा बढ़ावा

सरकार का कहना है कि जमीन माप में देरी के कारण कई औद्योगिक और व्यावसायिक परियोजनाएं अटकी हुई थीं। नई व्यवस्था से इन प्रोजेक्ट्स को गति मिलेगी। साथ ही चेतावनी दी गई है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित सर्वेक्षक का लाइसेंस तुरंत रद्द कर दिया जाएगा।

जिलास्तर पर बनेगी निगरानी समिति

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हर जिले में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी। इसमें एनआईसी के तकनीकी विशेषज्ञ, आईटीआई प्राचार्य और भूमि अभिलेख अधिकारी शामिल होंगे। सभी सर्वेक्षकों के लिए 'ई-मोजणी 2.0' सॉफ्टवेयर का उपयोग अनिवार्य रहेगा और उन्हें हर महीने कम से कम 20 मामलों का निपटारा करना होगा।

2026 में ग्रहों का प्रभाव
क्या बढ़ेगा वैश्विक तनाव?

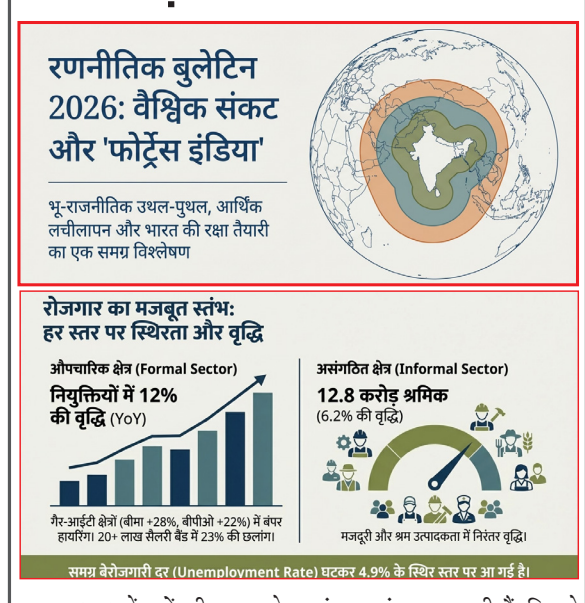

साल 2026 में ग्रहों की चाल को लेकर ज्योतिष जगत में विशेष चर्चा हो रही है। विशेषकर मंगल और शनि के प्रभाव को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि जून-जुलाई तक वैश्विक तनाव और टकराव की स्थितियां बनी रह सकती हैं। मंगल को जहां युद्ध और आक्रामकता का कारक माना जाता है, वहीं शनि दबाव और संघर्ष का प्रतीक है। मार्च से 2 अप्रैल 2026 तक इन दोनों ग्रहों का प्रभाव अधिक सक्रिय रहने के कारण विश्व स्तर पर अस्थिरता और तनाव बढ़ने के संकेत मिलते हैं। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, जुलाई और दिसंबर 2026 में मंगल और यूरेनस की युति के कारण अचानक घटनाएं और तनाव की चरम स्थिति देखने को मिल सकती है। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि युद्ध निश्चित है, बल्कि यह समय वैश्विक राजनीति में उथल-पुथल, कड़े निर्णय और अप्रत्याशित घटनाओं का संकेत देता है। ऐसे समय में देशों के बीच संबंध संवेदनशील बने रह सकते हैं और छोटी घटनाएं भी बड़े प्रभाव डाल सकती हैं।

भारत के संदर्भ में अप्रैल और मई 2026 का समय मिश्रित परिणाम देने वाला माना जा रहा है। इस दौरान रक्षा, तकनीक और विनिर्माण क्षेत्रों में प्रगति और नई संभावनाएं उभर सकती हैं, जिससे देश की ताकत बढ़ेगी। दूसरी ओर, यही ऊर्जा कुछ मामलों में तनाव, राजनीतिक बहस और सामाजिक चुनौतियों को भी जन्म दे सकती है। यानी यह समय अवसर और सावधानी—दोनों की मांग करता है। जहां तक आम जनता की चिंता—पेट्रोल और गैस—का सवाल है, तो बड़ी कमी की संभावना नहीं दिखती। भारत की आयात व्यवस्था और भंडारण क्षमता मजबूत है, जिससे आपूर्ति सामान्य बनी रहने की उम्मीद है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव संभव है और एलपीजी की सप्लाई में हल्की बाधा आ सकती है। कुल मिलाकर, 2026 का वर्ष सतर्कता, संतुलन और समझदारी से आगे बढ़ने का संकेत देता है।

लेखिका: ज्योतिषाचार्य साध्वी जी "हीं" चिंतना श्रीजी

मोती: शांति, सौंदर्य और संतुलन का रत्न

मोती एक प्राकृतिक रत्न है, जिसे संस्कृत में मुक्ता और अंग्रेज़ी में पर्ल कहा जाता है। यह चंद्र ग्रह का प्रतिनिधि माना जाता है और समुद्र में सीप के भीतर बनता है। जल तत्व से जुड़ा होने के कारण इसका स्वभाव शीतल, सौम्य और मन को शांत करने वाला माना जाता है। प्राचीन समय से ही मोती को मानसिक संतुलन, सौंदर्य और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक माना जाता रहा है। मोती की उत्पत्ति एक रोचक प्राकृतिक प्रक्रिया है। जब कोई बाहरी कण सीप के भीतर प्रवेश करता है, तो सीप उसे ढकने के लिए परत-दर-परत एक चिकना पदार्थ छोड़ती है, जिससे धीरे-धीरे मोती का निर्माण होता है। यह सफेद, गुलाबी, काला, नीला और पीला जैसे विभिन्न रंगों में पाया जाता है। असली मोती की पहचान उसकी प्राकृतिक चमक और हल्की खुरदरी सतह से की जा सकती है, जबकि नकली मोती जल्दी फीका पड़ जाता है। आयुर्वेद और ज्योतिष दोनों में मोती का विशेष महत्व है। आयुर्वेद में यह कैल्शियम की पूर्ति, मानसिक शांति, आंखों की रोशनी और हृदय स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है। वहीं ज्योतिष के अनुसार, यदि चंद्र ग्रह कमजोर हो तो व्यक्ति को मानसिक तनाव, भय और अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मोती धारण करने से मन शांत होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और निर्णय क्षमता में सुधार आता है। मोती धारण करने की एक विशेष विधि बताई गई है। इसे सामान्यतः चाँदी की अंगूठी में जड़वाकर सोमवार के दिन सुबह पहनना शुभ माना जाता है। पहनने से पहले इसे जल और कच्चे दूध से शुद्ध कर भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, फिर कनिष्ठिका उंगली में धारण किया जाता है। सावधानी के रूप में इसे अत्यधिक गर्मी और नमी से बचाना चाहिए। सही विधि और विश्वास के साथ धारण किया गया मोती जीवन में शांति और संतुलन लाने में सहायक बनता है।

वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल

सटीक रत्न परामर्श के लिए वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल (9415038076) से संपर्क किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में दिव्यांगों के लिए बड़ा फैसला, अब 21 श्रेणियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने दिव्यांगों के अधिकार और सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अब सभी 21 श्रेणियों के दिव्यांग व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने का निर्णय लिया है। दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत यह फैसला लागू किया गया है। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे ने बताया कि यह निर्णय राज्य में समावेशी विकास को मजबूती देगा।

पुराने नियमों से हो रही थी परेशानी

अब तक 1995 के पुराने कानून के चलते केवल 7 श्रेणियों के दिव्यांगों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पाता था। 2016 में नया कानून लागू होने के बावजूद कई विभाग पुराने मानकों पर ही काम कर रहे थे, जिससे नई श्रेणियों के दिव्यांगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब सरकार ने स्पष्ट निर्देश जारी कर सभी 21 श्रेणियों को शामिल कर लिया है।

इन श्रेणियों को मिलेगा लाभ

इस फैसले के तहत लोकोमोटर डिसेबिलिटी, अंधापन, कम दृष्टि, बहरापन, बौद्धिक अक्षमता, ऑटिज्म, मानसिक बीमारी, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, एसिड अटैक पीड़ित, पार्किंसंस, थैलेसीमिया, सिकल सेल सहित कुल 21 प्रकार के दिव्यांगों को योजनाओं का लाभ मिलेगा। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लाभार्थी के पास वैध यूडीआईडी (दिव्यांग पहचान पत्र) होना अनिवार्य होगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी।

वृष योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

मिथुन आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। खर्च का बोझ बढ़ेगा। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा। स्वाध्याय में रुचि बढ़ेगी।

सिंह मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं। साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे। फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

कन्या नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यापार सामान्य चलेगा।

तुला राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। परिवार की तरक्की होगी। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए।

वृश्चिक रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। अधिक लोभ-लालच न

मकर रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। आलस्य से बचकर रहें।

कुंभ पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा। आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है। सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

मीन माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है।

ग्रहों का रहस्य: एक साधारण उपाय से बदलती हुई जीवन की कहानी

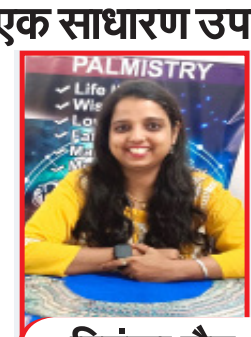

प्रियंका जैन
97699 94439

वाराणसी के पास एक छोटे-से कस्बे में रहने वाला अनिल अपने जीवन से बेहद परेशान था। सब कुछ होते हुए भी जैसे कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। कभी काम बिगड़ जाता, कभी बिना वजह घर में तनाव हो जाता, तो कभी अचानक पैसे की कमी आ जाती। उसे लगता था जैसे कोई अदृश्य शक्ति उसके हर प्रयास को रोक रही है।

एक रात वह छत पर बैठा आसमान की ओर देख रहा था। चमकते हुए तारे और चांद उसे जैसे कुछ कहना चाहते थे। उसी समय उसकी दादी, जो वर्षों से पूजा-पाठ और ज्योतिष में आस्था रखती थीं, उसके पास आईं।

उन्होंने धीमे स्वर में कहा, "बेटा, कभी सोचा है कि तेरे जीवन में जो कुछ हो रहा है, उसका कारण तेरी कुंडली के ग्रह भी हो सकते हैं?"

अनिल ने हैरानी से पूछा, "दादी, क्या सच में ग्रह हमारे जीवन को इतना प्रभावित करते हैं?"

दादी मुस्कुराईं और बोलीं, "ग्रह सिर्फ आसमान में चमकते हुए पिंड नहीं हैं, वे ऊर्जा के स्रोत हैं। जब ये अनुकूल होते हैं तो जीवन में सुख देते हैं, और जब प्रतिकूल होते हैं तो कठिनाइयाँ लाते हैं।"

अगले दिन अनिल ने एक ज्योतिष विद्वान से मिलने का मन बनाया, लेकिन दादी ने उसे रोका और कहा, "पहले कुछ सरल उपाय कर। बिना पैसा खर्च किए भी जीवन में बदलाव आ सकता है।"

अनिल ने दादी की बात मान ली। रविवार की सुबह, सूरज की पहली किरण के साथ वह उठ गया। उसने तांबे के लोटे में जल लिया और सूर्य देव को अर्घ्य दिया। जैसे ही जल की धार सूर्य की ओर उठी, उसे एक अजीब-सी शांति महसूस हुई। फिर उसने एक गरीब व्यक्ति को भोजन और कपड़े दान किए। दादी ने बताया था कि सूर्य के अशुभ होने से हृदय रोग, नेत्र रोग, आर्थिक हानि और मान-सम्मान में कमी आती है, और यह उपाय उन्हें शांत करता है।

धीरे-धीरे अनिल का मन इन उपायों में लगने लगा।

सोमवार की रात, उसने चंद्रमा को देखा और दादी के कहे अनुसार दूध, चावल और सफेद फूल का दान किया। उसे महसूस हुआ कि उसके मन का तनाव थोड़ा कम हो गया है। पहले जहां वह हर छोटी बात पर परेशान हो जाता था, अब वह खुद को थोड़ा शांत पाता।

मंगलवार को वह पास के देवी मंदिर गया और एक छोटी कन्या को लाल कपड़ा दान किया। मंगल के अशुभ प्रभाव से होने वाले कर्ज़ और विवाद धीरे-धीरे कम होने लगे। उसे लगा जैसे कोई बोझ हल्का हो रहा है।

बुधवार को उसने हरी सब्जियाँ और हरे कपड़े दान किए। घर में जो छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते थे, वे धीरे-धीरे खत्म होने लगे। परिवार के बीच प्रेम बढ़ने लगा।

गुरुवार को वह मंदिर गया और पुजारी को पीला वस्त्र और एक धार्मिक पुस्तक भेंट की। गुरु के प्रभाव से उसकी सोच में सकारात्मकता आई, और काम में भी सफलता मिलने लगी।

शुक्रवार को उसने माता के मंदिर जाकर लाल चुनरी चढ़ाई। उसके वैवाहिक जीवन में जो दूरी आ रही थी, वह धीरे-धीरे खत्म होने लगी।

शनिवार को उसने तेल, काले तिल और जूते का दान किया। शनि के प्रभाव से जो परेशानियां और डर उसके मन में थे, वे कम होने लगे। अब उसे दुर्घटनाओं और अनहोनी का डर नहीं सताता था। राहु और केतु के उपाय भी उसने श्रद्धा से किए—जरूरतमंदों को कपड़े, नारियल और उड़द दाल का दान। धीरे-धीरे उसके जीवन में आ रही अड़चनें कम होने लगीं।

कुछ ही महीनों में अनिल का जीवन पूरी तरह बदल गया। जहां पहले हर दिन एक नई समस्या लेकर आता था, अब हर दिन एक नई उम्मीद लेकर आने लगा।